Daily Gospel Reflections in Hindi

24 June 2019

लूकस 1:57-66

THE BIRTH OF JOHN THE BAPTIST

आज के सुसमाचार में हम योहन बपतिस्मा के जन्म के बारे में पढ़ते है। योहन प्रभु येसु के आने के पहले लोगों को तैयार करने के लिए भेजा गया येसु का अग्रदूत था। योहन के माता–पिता निःसंतान थे लेकिन ईश्वर योहन को पुत्र के रूप में देते हुए उन पर बड़ी दया दिखाते है। गर्भफल ईश्वर की एक बड़ी दया है।

योहन नाम रखते ही जकरियस के मुख और जीभ के बंधन खुल गये। जकरियस के यह बंधन उसके अविश्वास के कारण (पाप) के कारण हुआ था। और यह येसु के अग्रदूत बन के आया योहन के नाम से खुल जाता है। यह एक प्रतीक है योहन के बाद आने वाले उससे शक्तिशाली येसु के नाम से पाप के हर बंधन टूटने वाले है। येसु में हमारे हर पाप की माफी होने वाली है।

Rev. Fr. Ebin Uppukandathil

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019